 ISSN:2583-8849

2

पत्रकारिता के क्षेत्र में हिंदी की भूमिका एवं रोजगार की संभावनाएँ

1-मोनिका मेहता 2-डॉ. सुमन कौशिक

प्रस्तावना

हिंदी रोजगार के अवसर प्रदान करने वाली भाषा है। दुनिया की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। पत्रकारिता के क्षेत्र में हिंदी को ज्यादा प्रचलित करने का प्रयास किया गया है। पत्रकारिता के माध्यम से हिंदी भाषा को लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। भारतीय भाषा के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय देशों में भी हिंदी का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। भारत देश के साथ-साथ विदेशों में भी पत्रकारिता हिंदी पत्रकारिता को प्रकाशित किया जाने लगा है। हिंदी को लेकर रोजगार के कई क्षेत्र में अवसर प्रदान किये जाने लगे है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों में हिंदी भाषा में काम करना अनिवार्य हो गया है।

समाचार पत्रों व समाचार चैनलों की निरंतर बढ़ती हुई संख्या के कारण आज पत्रकारिता के क्षेत्र मांग बढ़ती जा रही है। आज के समय में हिंदी पत्रकारिता के रूप में संपादक, उपसंपादक, प्रुफरीडर, अनुवादक, शिक्षा, समाचार वाचक, अध्यापन का क्षेत्र आदि कई प्रकार के क्षेत्र हिंदी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

समाचार पत्रों के हिंदी का रूपान्तर करने से रोजगार में कई गुणा वृद्धि हुई है। हिंदी के विकास में हिंदी समाचार पत्रों की एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पत्रकारिता में हिंदी की भूमिका

हिंदी पत्रकारिता का आधार स्तंभ बनी। शुरुआती समय जो हिंदी पत्रकारिता का स्वर्ण युग कहा गया। हिंदी को गौरवमयी स्थान दिलाने का प्रयास में पत्रकारिता की

 ISSN:2583-8849

अह्म भूमिका अदा की है। भारतेन्दु युग से ही पत्रकारिता का विकास

और समृद्ध मिली। हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ का आरंभ प्रथम उत्थान (1826-1867) से माना है। दूसरा उत्थान (1868-1885), तृतीय उत्थान (1886-1900) तक माना है। इन तीनों उत्थान में हिंदी पत्रकारिता के माध्यम से जनता में जागरण और सुधार की

भावना, अन्याय का प्रतिकार, जाति-वर्ग के उत्थान और धार्मिक पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन आरंभ हुआ। तीसरे उत्थान में राजनीतिक चेतना को उजागर करने का प्रयास किया ही द्विवेदीयुग, छायावाद, स्वतंत्र्योत्तर युग आदि में हिंदी पत्रकारिता का विकास होने लगा। सन् 1900 में प्रकाशित 'सरस्वती' पत्रकारिता की परम्परा को समृद्ध तथा परिष्कृत किया। सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना ने हिंदी साहित्य को नई दिशा ही। 1908 में केसरी पत्रका संस्करण ' हिंदी केसरी' नाम से प्रकाशित हुई। 'सरस्वती पत्रिका ने भाषा तथा साहित्य दोनों क्षेत्र में नये युग का निर्माण किया। 1947 जब देश आजाद हुआ तब पत्रकारिता ने एक नया मोड़ लिया जिसमें औद्योगिकरण एवं पूंजीवाद और व्यापारिक स्वार्थ निष्ठा के साथ विकास होने लगा। हिंदी में प्रतीक समीक्षा, नवलेखन, आलोचना आदि पत्रिकाओं का हिंदी में विकास हुआ।

विदेशों में हिंदी पत्रकारिता

आज के युग में भारत के साथ-साथ विदेशों में भी हिंदी भाषा तथा हिंदी पत्रिकाओं का चलन बढ़ गया ही तथा विदेशों में भी हिंदी पत्रिका को लेकर रोजगार रोजगार बढ़ने का प्रयास भारत के साथ-साथ विदेशों में भी बढ़ गया ही जैसे बांग्लादेश, नेपाल, बर्मा, जापान, चीन, यूरोप, रूस, ब्रिटेन, अफ्रीका आदि कई देश है जहाँ हिंदी पत्रकारिता तथा समाचारों का बढ़ावा दिया ही फिजी, कनाड़, में हिंदी पत्रकारिता तथा रोजगार की संभावनाएँ बढ़ती जा रही है। विदेशों में हिंदी की मान्यता को बढ़ावा देने के कारण वहाँ के विश्वविद्यालयों में भी हिंदी का अध्यापन कार्य प्रारंभ हुआ है।

रोजगार की संभावनाएँ

हिंदी भाषा को लेकर आज के इस नवीन युग में कई विभिन्न प्रकार की रोजगार प्राप्त कर सकते है। जीवन में सफलता के

 ISSN:2583-8849

लिए हिंदी भाषा में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

1. हिंदी पत्रकारिता में रोजगार
2. राजभाषा अधिकारी बनकर हिंदी सेवा।
3. हिंदी में अध्यापन क्षैत्र।
4. हिंदी भाषा के अनुवादक।
5. हिंदी में समाचार वाचक
6. हिंदी में रेडियो जॉकी।
7. हिंदी में रचनात्मक लेखन।

1. हिंदी पत्रिका में रोजगार- हिंदी पत्रिकाओं में रोजगार प्राप्त करना एक आकर्षक अवसर है जो प्रतिभावान छात्राओं और युवाओं के लिए है। युवाओं हिंदी भाषा को लेकर उत्साहित होते हैं वह व्यक्ति हिंदी रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होते ही छात्राओं में भी हिंदी भाषा का ज्ञान तथा वाचन प्रक्रिया से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

2. राजभाषा अधिकारी बनकर हिंदी सेवा- हिंदी को राजभाषा के रूप में सरकार ने घोषित किया है। राज्य में सरकारी कार्यालय एवं केन्द्रीय संस्थानों में हिंदी के लिए अधिकारी नियुक्ति किया जाता है। हिंदी भाषा से कामकाज को सरल करने के लिए सभी सरकारी कार्यालय में हिंदी अधिकारी के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

3. हिंदी में अध्यापन का क्षैत्र - हिंदी भाषा में अध्यापन का सबसे अच्छा तथा सुगम क्षैत्र ही हिंदी भाषा में व्यक्ति उच्च शिक्षा प्राप्त करके हिंदी भाषा में रोजगार प्राप्त कर सकता है। अध्यापन के क्षैत्र में कई विभिन्न परीक्षा पास करके विद्यालय, तथा महाविद्यालयों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

4. हिंदी भाषा के अनुवादक - अनुवाद का अर्थ किसी एक भाषा के विचार दूसरी भाषा में परिवर्तन करना अनुवाद कहलाता है। जो अनुवाद करता है। उसे अनुवादक कहते है। इस क्षैत्र में व्यक्ति अपनी सामार्थ के बल पर रोजगार प्राप्त कर सकते है। देश-विदेश, मीडिया संस्थान, राजनैतिक तथा पर्यटन से जुड़े संस्थान पर हिंदी भाषा के रूप में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

5. हिंदी में समाचार वाचक- हिंदी में समाचार वाचक का कार्य भी कर सकते हैं। दर्शकों समाचार तथा मनोरंजन के रूप में भी समाचार पढ़कर रोजगार प्राप्त कर सकते है। देश-विदेश की जानकारी जो अन्य भाषा में

होती है उसे रूपांतरण करके हिंदी में बताने का अवसर से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

6. हिंदी में रेडियो जॉकी- हिंदी भाषा को लेकर रेडियो जॉकी में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं इसमें व्यक्ति अपने विचारों तथा आवाज को जनता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते तथा रेडियो में ऑल इंडिया रेडियो के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

7. हिंदी में रचनात्मक लेखन- हिंदी भाषा को लेकर रचनात्मक लेखन जो स्वतंत्र और सृजनात्मक लेखन से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। हिंदी भाषा में रोजागार प्राप्त करने के अच्छे अवसर भारत के कई ऐसे स्थान जहाँ हिंदी में रोजगार प्राप्त कर सकते है। जिसमें महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, नई दिल्ली, उत्तर-प्रदेश, तमिलनाडू, आंध्रप्रदेश, ऐसे कई देश के संस्थान में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

निष्कर्ष

हिंदी भाषा में बढ़ते रोजगार तथा विदेशों में हिंदी भाषा का बढ़ता चलन से रोजगार की संभावना बढ़तर जा रही है। व्यक्ति अपनी रूचि योग्यता और क्षमता के अनुसार रोजगार का चुनाव कर सकते है। आज के आधुनिक युग में हिंदी भाषा में रोजगार के भरपूर अवसर प्राप्त होने लगे हैं।

संदर्भ सूची

1. हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर hindijan.com

2. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेन्द्र कुमार

3. www.hindikunj.com

4. प्रो. माधुरी गोडबोले, सहायक प्राध्यापक आप. पी. एस. एकेडमी इंदौर।

शोधार्थी मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, सी.एम.आर. विश्वविद्यालय, बैंगलूर, कर्नाटक 2-एसोसिएट प्रोफेसर हिंदी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, सी.एम.आर विश्वविद्यालय, बैंगलूर, कनार्टक ।

ईमेल : Monikarupeshmehta@gmail.com

ईमेल : 2suman.k@cmr.edu.in